

शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक पाठ्यक्रम (2025-26)

कक्षा -8, विषय: विज्ञान

प्रसंग	पाठ	सुझावात्मक अधिगम सम्प्राप्ति	सुझावात्मक क्रियाकलाप
खाद्य	<p><u>पाठ -1: फसल उत्पादन और प्रबंधन</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ फसलें और उनके प्रकार, और संबंधित जलवायु परिस्थितियां। ❖ फसल उत्पादन के लिए बुनियादी कृषि पद्धतियां। ❖ खाद और उर्वरक: फसलों के लिए पोषक तत्व के रूप में। ❖ फसल चक्र - वैकल्पिक रूप से उगाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए। ❖ खरपतवार, खरपतवारनाशी। ❖ अनाज का भंडारण और पशुपालन । <p>*सम्बंधित पाठ: -</p> <p>कक्षा VII: पाठ -16 जल: एक बहुमूल्य संसाधन।</p>	<p>विद्यार्थी</p> <ul style="list-style-type: none"> • खरीफ और रबी के रूप में विभिन्न प्रकार की फसलों को उस मौसम के आधार पर पहचानता है और वर्गीकृत करता है जिसमें वे उगते हैं। • जिस क्षेत्र में वे उगते हैं, उसके आधार पर फसलों के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की जलवायु परिस्थितियों की पहचान करता है । • फसलों की खेती में शामिल बुनियादी कृषि गतिविधियों को समझता है । • पौधों के स्वस्थ विकास के लिए विभिन्न मानव निर्मित और प्राकृतिक पोषक तत्वों के गुणों को वर्गीकृत और पहचानता है और उनमें अंतर करता है। • नाइट्रोजन के साथ मिट्टी की पुनःपूर्ति के लिए फसल चक्र के महत्व को समझता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. किसी भी प्रकार की फसलों को उगाने के लिए उपयोग की जाने वाली बुनियादी कृषि पद्धतियों के चरणों का अध्ययन करना। 2. खाद और खाद से पौध उगाने (मूंग या चने के बीज का अंकुरण) के लिए एक प्रयोग तैयार करना। 3. कुछ महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थों और उनके स्रोतों की सूची बनाना जिनसे वे प्राप्त करते हैं। 4. कुछ महत्वपूर्ण प्रकार की खरीफ और रबी फसलों की सूची बनाना। 5. कुछ बीजों को मिट्टी में बोकर टपक सिंचाई द्वारा पानी देने की व्यवस्था करना और बीज में होने वाले परिवर्तन को नोट करने के लिए प्रतिदिन निरीक्षण करना। 6. अलग-अलग प्रकार के बीजों को इकट्ठा करें और उन्हें छोटे थैलों में डालें

		<ul style="list-style-type: none"> • मुख्य फसलों को खेत में अवांछित पौधों से बचाने के तरीकों को समझता है। • उर्वरकों और कीटनाशकों के नियंत्रित उपयोग जैसे संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए जागरूकता दिखाता है। • दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अवधारणाओं की सीख को लागू करता है, उदाहरण के लिए। फसल उत्पादन में वृद्धि (किचन गार्डन में)। 	<p>और उनमें से प्रत्येक पर लेबल लगाएं।</p> <p>7. विभिन्न कृषि उपकरणों या मशीनों के चित्र/चित्र बनाना।</p> <p>8. सिंचाई की विभिन्न विधियों के चित्र बनाना।</p>
<p>खाद्य</p>	<p>पाठ- 2: सूक्ष्मजीव: मित्र एवं शत्रु</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ सूक्ष्मजीव ❖ सूक्ष्मजीव कहाँ रहते हैं? ❖ सूक्ष्मजीव और हम ❖ हानिकारक सूक्ष्मजीव ❖ खाद्य परिरक्षण ❖ नाइट्रोजन स्थिरीकरण तथा ❖ नाइट्रोजन चक्र 	<ul style="list-style-type: none"> • विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीवों (एककोशकीय व बहुकोशकीय) को पहचानता है। • सूक्ष्मजीवों को वर्गीकृत करता है। • लाभदायक एवं हानिकारक सूक्ष्मजीवों को वर्गीकृत करता है। • वैज्ञानिक संप्रत्ययों का अपने दैनिक जीवन में उपयोग करता है। • अचार एवं जैम के संरक्षण में नमक एवं चीनी की उपयोगिता का अन्वेषण करता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. सूक्ष्मदर्शी के नीचे तालाब के पानी की बूंदों, दही, ब्रेड मोल्ड का अध्ययन करना। 2. आटे का किण्वन (यीस्ट के द्वारा आटे का बढ़ा आयतन)- गैस को गुब्बारे में एकत्र कर चूने के पानी द्वारा निष्कासित गैस का परीक्षण करना । 3. खेत में से चने या दलहन का पौधा उखाड़कर जड़ ग्रन्थि का अध्ययन करना । <p>संबंधित कार्यपत्रक सं. 1-9, 23-24</p>

	<p>*सम्बंधित पाठ:</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ कक्षा VII :- पादपों में पोषण ❖ कक्षा VI :- जीवित जीव और उनके परिवेश. 		
पदार्थ	<p><u>पाठ-3: कोयला और पेट्रोलियम</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ अक्षय और क्षयहोने वाले प्राकृतिक संसाधनों के गुण। ❖ जीवाश्म ईंधन के गुण और प्रकार; कोयला और पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस। ❖ पेट्रोलियम के घटक और उनके उपयोग। ❖ पेट्रोलियम का शोधन। ❖ पेट्रोल/डीजल बचाने के तरीके। ❖ कुछ प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> • अक्षय और क्षय होने वाले प्राकृतिक संसाधनों की सामग्री को उनके गुणों और सीमाओं के आधार पर पहचानता है और वर्गीकृत करता है। • जीवाश्म ईंधन का अर्थ, निर्माण की प्रक्रिया, प्रकार और उपयोग जानता है। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयुक्त कोयले और पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग करके वैज्ञानिक अवधारणाओं की सीख को दैनिक जीवन में लागू करता है। • ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण के लिए उचित तरीकों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक अवधारणाओं की सीख को दैनिक जीवन में लागू करता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. दैनिक जीवन में हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली विभिन्न सामग्रियों की सूची बनाना और उन्हें प्राकृतिक और मानव निर्मित के रूप में वर्गीकृत करना। 2. भारत के मानचित्र में उन स्थानों का अध्ययन करना जहाँ कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस पाए जाते हैं और जहाँ पेट्रोलियम रिफाइनरियाँ स्थित हैं। 3. कोयला, गैस, बिजली, पेट्रोल, मिट्टी के तेल आदि जैसे ऊर्जा संसाधनों के उपभोग और संरक्षण के तरीकों का अध्ययन करना। 4. भारत में प्रमुख ताप विद्युत संयंत्रों की अवस्थिति (कारण सहित) का अध्ययन करना। 5. क्रियाकलाप 3.2 की सहायता से ज्ञात कीजिए कि समाप्त होने वाले संसाधन किस प्रकार मात्रा में कमी कर रहे हैं।

<p>प्राकृतिक संसाधन</p>	<p>अध्याय-5: पौधों एवं जंतुओं का संरक्षण</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ वनोन्मूलन एवम् इसके कारण ❖ वनोन्मूलन के परिणाम ❖ वन एवं वन्यप्राणियों का संरक्षण ❖ जैव मंडल आरक्षण ❖ पेड़ -पौधे और जीव-जंतु ❖ विशेष क्षेत्री प्रजाति ❖ वन्य प्राणी अभयारण्य ❖ राष्ट्रीय उद्यान ❖ रेड डेटा पुस्तक ❖ प्रवास ❖ कागज का पुनःचक्रण 	<ul style="list-style-type: none"> ● पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयास करता है। ● पर्यावरणीय खतरों आदि से निपटने के उपाय सुझा पाता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. वनोन्मूलन के कारणों की सूची बनाना और उन्हें प्राकृतिक और मानव निर्मित में वर्गीकृत करना। 2. अपने क्षेत्र की वनस्पतियों और जीवों की सूची बनाना। 3. अपने राज्य और देश में राष्ट्रीय उद्यानों, वन्य जीवन अभयारण्यों और जीवमंडल की संख्या का पता लगाना।
<p>गतिशील वस्तु, लोच एवं विचार</p>	<p>पाठ-11: बल एवं दाब</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ बल-अपकर्षण या अभिकर्षण बल ❖ बल क्रिया के कारण लगते हैं। ❖ बलों की खोजबीन ❖ बल वस्तुओं की गति आकार और दिशा में परिवर्तन कर सकता है। ❖ संपर्क बल तथा असम्पर्क बल ❖ दाब ❖ द्रवों तथा गैसों द्वारा लगाया गया 	<ul style="list-style-type: none"> ● विभिन्न प्रकार के बलों को दैनिक जीवन के उदाहरणों द्वारा पहचानता है ● बल क्रिया के द्वारा उत्पन्न होता है, -इस तथ्य को समझता है। ● गतिशील वस्तुओं की गति और दिशा पर बल के प्रभावों की जांच करता है। ● संपर्क एवं असम्पर्क बलों के बीच अंतर स्पष्ट करता है। ● बल, क्षेत्रफल एवं दाब में सम्बन्ध दिखा 	<ol style="list-style-type: none"> 1. विभिन्न प्रकार के बल व उनके प्रभाव का अध्ययन करना। 2. दैनिक जीवन में बल और गति में संबंध स्थापित करना। 3. एक छड़ चुम्बक के दो ध्रुवों के बीच लगने वाले बल का अध्ययन करना। 4. क्षेत्रफल के ऊपर दाब कैसे निर्भर करता है, इसका अध्ययन करना। 5. गहराई बढ़ने पर द्रवों द्वारा लगाया जाने

	<p>दाब</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ वायुमंडलीय दाब 	<p>पाता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> • वैज्ञानिक तरीके से सामान्य प्रश्नों की जाँच करता है। जैसे- क्या तरल पदार्थ सामान गहराई पर समान दाब डालते हैं? • अन्वेषण द्वारा ज्ञात करना -सुई नुकीली क्यों होती है ? 	<p>वाला दाब भी बढ़ता है,इस बात का अध्ययन करना ।</p> <p>संबंधित कार्यपत्रक सं. 34-37</p>
<p>गतिशील वस्तु,लोग एवं विचार</p>	<p>अध्याय-9: घर्षण</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ घर्षण बल ❖ घर्षण को प्रभावित करने वाले कारक ❖ घर्षण हानिकारक परंतु अनिवार्य ❖ घर्षण को बढ़ाना तथा घटाना। ❖ पहिये घर्षण को कम कर देते हैं। ❖ तरल घर्षण 	<ul style="list-style-type: none"> • चिकने तथा खुरदरी सतह पर होने वाले घर्षण को प्रदर्शित करता है। • गति के कारण होने वाली टूट- फूट का कारण जानता है। • स्थैतिक ,सर्पी और लोटनिक घर्षण में अंतर स्पष्ट करता है। • अपने दैनिक जीवन में घर्षण को बढ़ाने या घटाने के संदर्भ में वैज्ञानिक सम्प्रत्यों का उपयोग करता है। (जैसे -जूतों के तलों में अच्छी पकड़ हेतु कटी हुई लकीरें होना।) 	<ol style="list-style-type: none"> 1. क्रियाकलाप की सहायता से बताइए -घर्षण बल किसी तल की प्रकृति पर निर्भर करता है। 2. क्रियाकलाप की सहायता से बताइए - गतिशील वस्तुओं में रगड़ के द्वारा टूट फूट होती है । 3. खेलों या दूसरी गतिविधियों के चित्र एकत्र करना, जिनमें “घर्षण एक अनिवार्य परंतु हानिकारक बल हैं “, दिखाया गया हो। 4. घर्षण को कम करने एवं बढ़ाने की विभिन्न विधियों पर चर्चा करना ।
<p>नोट:-</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ उपरोक्त पाठ्यक्रम सितम्बर 06, 2025 तक पूरा करवाया जाए । ❖ मध्यावधि परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। 			

मध्यावधि परीक्षा

प्रसंग	पाठ	सुझावात्मक अधिगम सम्प्राप्ति	सुझावात्मक क्रियाकलाप
पदार्थ	<p>अध्याय -4: दहन और ज्वाला</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ दहन क्या है ? ❖ आग पर नियंत्रण कैसे पाते हैं? ❖ दहन के प्रकार ❖ ज्वाला ❖ ज्वाला की संरचना ❖ ईंधन ❖ ईंधन दक्षता 	<ul style="list-style-type: none"> ● दहन के लिये आवश्यक शर्तों का अन्वेषण द्वारा उत्तर ज्ञात करता है। ● ज्वाला का सचित्र वर्णन करता है। ● क्या होता है जब मिट्टी का तेल एवं प्राकृतिक गैस जलते हैं? इस प्रकार के तथ्यों की अन्वेषण द्वारा पुष्टि करता है। ● LPG के प्रयोग हेतु सावधानियों से अवगत होता है। ● अपने परिवेश की सामग्रियों के द्वारा अग्निशामक यंत्र का निर्माण कर, उसकी कार्य प्रणाली की व्याख्या करता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. ज्वाला के क्षेत्रों का अध्ययन। 2. अग्निशामक यंत्र का मॉडल बनाना। 3. स्कूल और घर में आग लगने के कारण और बचाव पर नाटक/ Slogan/ Poster प्रतियोगिता करवाना (आपदा प्रबंधन)।
जीव जगत	<p>पाठ-9: जंतुओं में जनन</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ जनन की विधियाँ ❖ लैंगिक जनन (नर जननांग, मादा जननांग निषेचन, भ्रूण का परिवर्धन, जरायुज एवं अंडप्रजक जंतु ,शिशु से व्यस्क) 	<ul style="list-style-type: none"> ● जीवों का लैंगिक और अलैंगिक प्रजनन के आधार पर वर्गीकृत करता है ● मानव और जानवरों में प्रजनन की प्रक्रिया की व्याख्या करता है ● जरायुज और अंडप्रजक जन्तुओं के बीच अंतर स्पष्ट करता है 	<ol style="list-style-type: none"> 1. हाइड्रा और अमीबा में स्थाई स्लाइड द्वारा अलैंगिक जनन के प्रकारों का अध्ययन करना । 2. मेंढक और रेशम-कीट के जीवन चक्र का चार्ट या मॉडल द्वारा अध्ययन करना 1. प्रकाश के परावर्तन के नियमों को

	<p>❖ अलैंगिक जनन (द्विखंडन तथा मुकुलन विधि द्वारा)</p> <p>*सम्बंधित पाठ: कक्षा VII:-पादपों में जनन कक्षा VI:- जीवित जीव और उनके परिवेश ।</p>	<p>मानव प्रजनन प्रणाली के स्वनिर्मित लेबलयुक्त आरेख/प्रवाह चार्ट की सहायता से समझाता है</p>	<p>सत्यापित करना। 2. चार्ट/मॉडल की सहायता से आँख की संरचना का अध्ययन करना। 3. अपना स्वयं का केलिडोस्कोप बनाना।</p> <p>संबंधित कार्यपत्रक सं. 26-33</p>
<p>जीव जगत</p>	<p>अध्याय-7: किशोरावस्था की ओर</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ किशोरावस्था एवम् यौवनारम्भ ❖ यौवनारम्भ में होने वाले परिवर्तन ❖ गौण लैंगिक लक्षण ❖ जनन प्रकार्य प्रारंभ में हार्मोन की भूमिका ❖ मानव में जनन काल की अवधि ❖ संतति का लिंग कैसे निर्धारित किस प्रकार होता है? ❖ लिंग हार्मोन के अतिरिक्त अन्य हार्मोन ❖ कीट एवम् मेंढक में जीवन - चक्र पूर्ण करने में हार्मोन का योगदान ❖ जननात्मक स्वास्थ्य 	<ul style="list-style-type: none"> ● गौण लैंगिक लक्षणों की पहचान करता है। ● जनन प्रकार्य प्रारंभ में हार्मोन की भूमिका को समझता है। ● बता पाता है कि शिशु का लिंग कैसे निर्धारित किया जाता है। ● किशोरावस्था के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को जानता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. गतिविधि 7.1 में दी गई तालिका का उपयोग करके यह पता लगाएं कि किसी व्यक्ति की लंबाई कितनी होने की संभावना है। 2. पत्रिकाओं, या डॉक्टरों से जानकारी एकत्र करना और आयोडीन युक्त नमक के सेवन के महत्व पर एक नोट तैयार करना। 3. आपकी कक्षा में कितने बच्चे नियमित रूप से व्यायाम करते हैं और कौन नहीं, इसका डेटा एकत्र करना।

<p>वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं</p>	<p>पाठ -10: ध्वनि</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ ध्वनि का अर्थ और गुण। ❖ एक कंपन निकाय द्वारा ध्वनि के उत्पादन की प्रक्रिया। ❖ मानव द्वारा ध्वनि उत्पन्न करने की प्रक्रिया। ❖ ध्वनि संचरण का माध्यम। ❖ हमारे कानों द्वारा ध्वनि सुनने की प्रक्रिया। ❖ श्रव्य और अश्रव्य ध्वनियाँ ❖ शोर और संगीत ❖ ध्वनि प्रदूषण: स्रोत, हानियाँ और इसके उपाय। 	<ul style="list-style-type: none"> • अर्थ जानने के लिए, वाद्य यंत्रों द्वारा ध्वनि के निर्माण की प्रक्रिया जानता है । • ध्वनि के गुणों जैसे आवृत्ति, दोलन, आयाम, प्रबलता, तारत्व आदि की पहचान करता है। • ध्वनि के निर्माण और श्रवण में मानव शरीर के अंगों के कार्यों को जानता है। • ध्वनि प्रदूषण के स्रोत, प्रभाव और इसे नियंत्रित करने के तरीकों का पता लगाता है। • ध्वनि की वैज्ञानिक अवधारणाओं जैसे स्रोतों, प्रबलता, और इसके हानिकारक और उपयोगी प्रभाव को दैनिक जीवन में लागू करता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. वाद्य यंत्रों की सूची बनाने के लिए इन वाद्य यंत्रों के उन भागों को नोट करें जो ध्वनि उत्पन्न करने के लिए कंपन करते हैं। 2. प्रसिद्ध संगीतकारों और उनके द्वारा बजाए जाने वाले वाद्ययंत्रों की सूची बनाना। 3. अपने इलाके में ध्वनि प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना और शोर को नियंत्रित करने के तरीकों की एक सुझाव सूची बनाना प्रदूषण। 4. श्रवण बाधित बच्चों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए सांकेतिक भाषा सीखना। 5. विभिन्न जानवरों के लिए श्रव्य आवृत्तियों की श्रेणी और विभिन्न ध्वनि उत्पादक स्रोतों के लिए डेसीबल में प्रबलता की सूची बनाना। 6. एक खिलौना टेलीफोन बनाने के लिए यह जानने के लिए कि ध्वनि तारों के माध्यम से कैसे यात्रा कर सकती है (एन.सी.ई.आर.टी. गतिविधि 10.14) और 7. प्लास्टिक द्वारा ईयर ड्रम की क्रिया को
---	--	--	---

			समझने के लिए रबर के गुब्बारे से खींचा जा सकता है और इसमें सूखे अनाज के पांच दाने होते हैं। (एन.सी.ई.आर.टी. गतिविधि 10.10)
वस्तुएं कैसे कार्य करती हैं।	<p>पाठ -11: विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ क्या तरल पदार्थ विद्युत का संचालन करते हैं? ❖ विद्युत धाराओं के रासायनिक प्रभाव। ❖ विद्युत लेपन और इसके उपयोग, ❖ विद्युत के सुचालक और कुचालक। <p>*सम्बंधित पाठ: - कक्षा VII: - विद्युत प्रवाह और इसके प्रभाव। कक्षा VI: - विद्युत तथा परिपथ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> • विभिन्न फलों, सब्जियों, लकड़ी के टुकड़े, धातु के टुकड़े के माध्यम से विद्युत के चालन का परीक्षण करता है और अपना परिणाम सारणीबद्ध रूप में प्रदर्शित करता है (सुचालक /कुचालक)। • साधारण परिपथ द्वारा विद्युत लेपन की परिघटना का अध्ययन करता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. चालकता के आधार पर विद्युत चालक या कुचालक के रूप में द्रवों की पहचान कीजिए। 2. अम्ल, क्षार और लवण विद्युत का चालन क्यों करते हैं और जब हम बिजली के उपकरणों को गीले हाथों से छूते हैं तो हमें झटका क्यों लगता है? - जैसे प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए सरल अन्वेषण करें? 3. विद्युत धारा के रासायनिक प्रभावों की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। 4. विद्युत लेपन द्वारा किसी अन्य सामग्री पर किसी वांछित धातु की परत जमा करने के दिन-प्रतिदिन जीवन में वैज्ञानिक अवधारणाओं की सीख को लागू करें।
प्राकृतिक परिघटनाएँ	<p>पाठ-16: प्रकाश</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ वस्तुओं को दृश्य कौन बनाता है? ❖ परावर्तन के नियम ❖ नियमित और विसरित परावर्तन 	<ul style="list-style-type: none"> • नियमित एवं विसरित परावर्तन में अंतर करता है। • समतल दर्पण द्वारा बनने वाले प्रतिबिम्ब के लक्षणों को पहचानता है। 	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रकाश के परावर्तन के नियमों को सत्यापित करना। 2. चार्ट/मॉडल की सहायता से आँख की संरचना का अध्ययन करना।

	<ul style="list-style-type: none"> ❖ परावर्तित प्रकाश को पुनः परावर्तित किया जा सकता है। ❖ बहुप्रतिबिंब ❖ सूर्य का प्रकाश श्वेत या रंगीन ❖ हमारे नेत्रों की संरचना क्या है? ❖ नेत्रों की देखभाल ❖ चाक्षुष- विकृति वाले व्यक्ति पढ़-लिख सकते हैं । ❖ ब्रेल पद्धति क्या है? <p>*सम्बंधित पाठ:- कक्षा VII:- प्रकाश कक्षा VI:- प्रकाश छायाएँ एवं परावर्तन</p>	<ul style="list-style-type: none"> • परावर्तन के नियमों को समझता है । • बहुप्रतिबिम्ब की प्रक्रिया को समझता है। • अपने द्वारा बनाए गए चित्र की सहायता से नेत्र की संरचना को समझता है। 	<p>3. अपना स्वयं का केलिडोस्कोप बनाना।</p> <p>संबंधित कार्यपत्रक सं. 19-25.</p>
<p>नोट :-</p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ संपूर्ण पाठ्यक्रम जनवरी 31, 2026 तक पूरा करवाया जाए । ❖ वार्षिक परीक्षा में पूरे पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा। ❖ अवधारणा स्पष्टता के लिए पिछली कक्षा के अध्यायों* को संरेखित किया गया है। 			
<p>❖ वार्षिक परीक्षा के लिए सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।</p> <p>वार्षिक परीक्षा 2026</p>			